an>

Title: Need to develop Ambala and its adjoining cities in Haryana as an industrial hub.

श्री रत्न लाल कटारिया (अम्बाला): मैं मान्यवर प्रधानमंत्री जी का ध्यान दिल्ली व एनसीआर रीजन में बढ़ती हुई आबादी की ओर दिलाना चाहती हूँ। बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण वर्ष 2022 में ऐसा अनुमान है कि न तो दिल्ली अन्तर्राज्यीय बस अड्डे न नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और न ही हवाई अड्डे पर पैर रखने की जगह होगी।

दिल्ली में बढ़ते हुए प्रदूषण की स्थिति और भी विस्फोटक बनती जा रही है। मेरा निवेदन है कि अम्बाला पांच राज्यों का (पंजाब, हरियाणा, जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, चण्डीगढ़, उत्तराखंड व पश्चिमी उत्तर प्रदेश) का केद्र बिन्दु है। अगर अम्बाला से कुरूक्षेत्र, अम्बाला से पटियाला, अम्बाला से चण्डीगढ़, अम्बाला से यमुनानगर, जगादरी को मिलाकर अम्बाला को इंडस्ट्रियल हब के रूप में विकसित किया जाता है तो 2050 तक इस क्षेत्र में हम रोजगार के नए अवसर प्रदान कर 2 करोड़ लोगों का समावेश कराने में सफल रहेंगे। जिससे दिल्ली के ऊपर जनसंख्या का दबाव भी कम होगा। जीएसटी लागू होने के बाद अम्बाला के इस केद्र बिन्दु पर लोग अपने-अपने लाजिस्टिक वेयरहाउस खड़ा करने में कामयाब रहेंगे जिससे उपरोक्त राज्यों में वस्तुओं के आवागमन में भी सहायता मिलेगी। यह एक आरक्षित क्षेत्र है और वैसे भी हिमालय की बेल्ट के साथ शिवालिक पहाड़ियों से जुड़ा 150 किलोमीटर लम्बा क्षेत्र विकास के लिए तरस रहा है।

आपने एक नया भारत बनाने का संकल्प लिया है। उसी कड़ी में आज अम्बाला को औद्योगिक गतिविधियों का केद्र बनाने में सहानुभूतिपूर्वक विचार करेंगे। इसके लिए मैं तथा क्षेत्र के लोग आपके सदा आभारी रहेंगे।